निर्यात की बाधाएँ घटाने की नई पहल

समाचार-संदर्भ: 18 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 19 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-III, निर्यात और MSME प्रतिस्पर्धा



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ इस लेख में

- खबरों में क्यों
- मिशन का ढाँचा
- MAS: खरीदार तक पहुँच
- TRACE: मानकों का खर्च
- LIFT: दूरी और ढुलाई
- आगे की राह
- प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न
- मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)
- स्रोत

खबरों में क्यों

वाणिज्य विभाग ने निर्यात संवर्धन मिशन (Export Promotion Mission: EPM) की निर्यात दिशा उप-योजना में बाजार तक पहुँच, प्रमाणन और माल ढुलाई से जुड़े दिशानिर्देश बदले हैं। 17 नवंबर के संशोधनों की जानकारी 18 नवंबर 2026 को जारी हुई। इन बदलावों को केवल सब्सिडी के रूप में नहीं, छोटे निर्यातकों की अलग-अलग लागत घटाने के प्रयास के रूप में समझना चाहिए। [1]

मिशन का ढाँचा

EPM को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 12 नवंबर 2025 को वित्त वर्ष 2025-26 से 2030-31 के लिए ₹25,060 करोड़ के परिव्यय के साथ मंजूरी दी थी। इसका विशेष ध्यान MSME, पहली बार निर्यात करने वालों और कम प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों पर है। [1]

निर्यात प्रोत्साहन व्यापार-वित्त की उपलब्धता से जुड़ी उप-योजना है। **निर्यात दिशा** बाजार तक पहुँच और गैर-वित्तीय निर्यात बाधाओं पर केंद्रित है। दोनों को एक ही प्रकार की ऋण-सब्सिडी मानना गलत होगा। मिशन की दोनों उप-योजनाओं के तहत अब तक कुल 11 हस्तक्षेप चालू किए गए हैं। [1]

यह भी पढ़ें: RELIEF के घटक-II की समय-सीमा 31 मार्च 2027 तक बढ़ी: निर्यातकों को ECGC के तहत 95% जोखिम-कवर

MAS: खरीदार तक पहुँच

Market Access Support (MAS) खरीदार-विक्रेता बैठकों, व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों और संबंधित बाजार-संपर्क गतिविधियों के लिए सहायता देता है। हवाई किराये की प्रतिपूर्ति की पात्रता के लिए पिछले वर्ष के निर्यात कारोबार की अधिकतम सीमा ₹75 लाख से बढ़ाकर ₹50 करोड़ की गई है। सूक्ष्म और लघु निर्यातकों के लिए प्रतिपूर्ति अधिकतम 95% और अन्य पात्र निर्यातकों के लिए अधिकतम 80% की गई है। [1]

निर्यात संवर्धन परिषद की अनिवार्य सदस्यता-अवधि छह महीने से घटाकर तीन महीने हुई है। **अधिकतम** सहायता को हर आवेदन में निश्चित भुगतान न समझें; स्वीकृति संबंधित पात्रता और दिशानिर्देशों के अधीन रहती है। [1]

TRACE: मानकों का खर्च

Trade Regulations, Accreditation & Compliance Enablement (TRACE) विदेशी बाजारों के गुणवत्ता, सुरक्षा और तकनीकी मानकों से जुड़ी प्रमाणन-लागत में सहायता देता है। प्रतिपूर्ति के लिए पात्र प्रमाणपत्रों की सूची 462 से बढ़ाकर 600 की गई है। [1]

बाजार तक पहुँच का अर्थ केवल ग्राहक ढूँढ़ लेना नहीं है। उत्पाद को उस बाजार के आवश्यक परीक्षण और मानकों पर भी खरा उतरना पड़ता है। प्रमाणन की शुरुआती लागत छोटे उद्यमों के लिए बाधा हो सकती है। सहायता इस लागत को घटा सकती है, लेकिन गुणवत्ता बनाए रखने की जिम्मेदारी समाप्त नहीं करती।

LIFT: दूरी और ढुलाई

Logistics Interventions for Freight and Transport (LIFT) कम निर्यात-सघनता वाले क्षेत्रों की भौगोलिक और रसद संबंधी बाधाओं पर केंद्रित है। इन जिलों की योजना-कवरेज 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से बढ़कर 34 तक हुई है। इसका अर्थ 13 से 34 जिलों का बदलाव नहीं है। [1]

पात्र पत्तन-श्रेणियों में Land Customs Stations और Integrated Check Posts जोड़े गए हैं। सड़क, रेल और हवाई परिवहन के साथ जलमार्ग भी शामिल हुए हैं। पूर्वोत्तर के अतिरिक्त जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के निर्यात शिपमेंट के लिए हवाई माल-भाड़ा सहायता बढ़ाई गई है। न्यूनतम दूरी-पात्रता 200 किमी से घटाकर 100 किमी हुई है। सहायता सभी निर्यातयोग्य माल-वस्तुओं तक विस्तारित है, पर नकारात्मक सूची के उत्पाद/निर्यात-श्रेणियाँ अपवाद हैं। [1]

आगे की राह

तीनों उपाय निर्यात की अलग बाधाएँ पहचानते हैं: खरीदार से संपर्क, मानकों का अनुपालन और माल को बाजार तक पहुँचाना। इनके परिणाम केवल स्वीकृत आवेदनों या खर्च से नहीं, नए निर्यातकों की टिकाऊ भागीदारी, बाजार-विविधीकरण और समय पर प्रतिपूर्ति से भी परखे जाने चाहिए। यह नीति-मूल्यांकन का सुझाव है, किसी प्राप्त परिणाम का दावा नहीं। छोटे उद्यमों के लिए सरल जानकारी और आवेदन-सहायता जरूरी है, ताकि घोषित सुविधा व्यवहार में भी उपलब्ध हो सके।

PCSMANTRA.COM

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1

निर्यात संवर्धन मिशन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: निर्यात प्रोत्साहन व्यापार-वित्त की उपलब्धता से जुड़ा है।

कथन 2: निर्यात दिशा गैर-वित्तीय निर्यात बाधाओं और बाजार तक पहुँच पर केंद्रित है।

कथन 3: TRACE विशेष रूप से विदेशी बाजार के गुणवत्ता और अनुपालन प्रमाणन में सहायता देता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (d)

कथन 1 सही है: निर्यात प्रोत्साहन व्यापार-वित्त से जुड़ा है।

कथन 2 सही है: निर्यात दिशा बाजार-संपर्क और गैर-वित्तीय बाधाओं पर काम करता है।

कथन 3 सही है: TRACE गुणवत्ता, सुरक्षा और तकनीकी अनुपालन के प्रमाणन में सहायता देता है।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 2

निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

#	हस्तक्षेप	मुख्य सहायता क्षेत्र
1	MAS	बाजार-संपर्क गतिविधियाँ
2	TRACE	प्रमाणन और अनुपालन
3	LIFT	माल ढुलाई संबंधी बाधाएँ

उपर्युक्त युग्मों में से कितने सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (c)

तीनों युग्म सही हैं। ये हस्तक्षेप क्रमशः बाजार-संपर्क, अनुपालन और रसद की अलग लागतों पर केंद्रित हैं।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 3

LIFT में नवंबर 2026 के बदलाव के बारे में कौन-सा कथन सही है?

(a) कम निर्यात-सघनता वाले क्षेत्रों की कवरेज 13 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से 34 तक बढ़ी

(b) हर प्रकार की वस्तु बिना किसी अपवाद के पात्र है

(c) जलमार्ग को पात्र साधनों से हटा दिया गया

(d) न्यूनतम दूरी 100 किमी से बढ़ाकर 200 किमी हुई

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कवरेज का बदलाव राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में है, जिलों की संख्या में नहीं। नकारात्मक सूची के अपवाद हैं; जलमार्ग जोड़ा गया और दूरी-पात्रता 200 से 100 किमी की गई।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

छोटे उद्यमों की निर्यात प्रतिस्पर्धा के लिए वित्त के साथ गैर-वित्तीय बाधाओं को दूर करना क्यों जरूरी है? हाल के निर्यात-सहायता उपायों के संदर्भ में समझाइए। (150 शब्द, 10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में:

एक उद्यम के पास उत्पादन के लिए धन होने पर भी वह खरीदार, मानक और परिवहन की बाधाओं के कारण निर्यात नहीं कर सकता। इसलिए प्रतिस्पर्धा का प्रश्न केवल सस्ते ऋण तक सीमित नहीं है।

मुख्य भाग में:

MAS बाजार-संपर्क की लागत घटाने का प्रयास करता है। TRACE विदेशी गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों के प्रमाणन में मदद करता है। LIFT दूरस्थ और कम निर्यात-सघनता वाले क्षेत्रों की ढुलाई-बाधाओं को संबोधित करता है। इस तरह सहायता निर्यात-प्रक्रिया के अलग चरणों तक पहुँचती है।

सफलता के लिए पात्रता स्पष्ट हो, छोटे उद्यमों को आवेदन-सहायता मिले और प्रतिपूर्ति समय पर हो। अधिकतम सहायता को स्वचालित भुगतान न माना जाए। मूल्यांकन में टिकाऊ निर्यात, नए बाजार और क्षेत्रीय भागीदारी देखें, केवल वितरित राशि नहीं।

निष्कर्ष में:

वित्त, गुणवत्ता, बाजार-संपर्क और रसद का संयुक्त सुधार ही छोटे उद्यम को नियमित निर्यातक बनने में मदद कर सकता है।

PCSMANTRA.COM

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

क्या ₹50 करोड़ की सीमा का अर्थ इतनी राशि की सहायता मिलना है?

नहीं। यह हवाई किराया प्रतिपूर्ति की पात्रता के लिए पिछले वर्ष के निर्यात कारोबार की अधिकतम सीमा है, सहायता-राशि नहीं। प्रतिपूर्ति संबंधित पात्र खर्च, दर और अन्य दिशानिर्देशों के अनुसार होगी।

क्या TRACE की सूची बढ़ने से विदेशी बाजार के मानक भी बदल गए?

नहीं। यह भारतीय सहायता के लिए पात्र प्रमाणपत्रों की सूची का विस्तार है। इसे किसी आयातक देश के गुणवत्ता या तकनीकी मानक बदलने का प्रमाण नहीं मानना चाहिए।

क्या यह RELIEF घटक-II का ही विस्तार है?

नहीं। यहाँ नवंबर में MAS, TRACE और LIFT के दिशानिर्देशों के बदलाव हैं। RELIEF की समय-सीमा बढ़ना अलग हस्तक्षेप और समाचार है।

स्रोत

1. https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=2337815&lang=1&reg=1